सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 10 JULY TO 16 JULY 2026 • VOLUME 49 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

"कठिन रास्ते अक्सर उन मंजिलों तक ले जाते हैं जो सबसे खूबसूरत होती हैं।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	37°	28°
शनिवार	36°	28°
रविवार	35°	26°
सोमवार	41°	29°
मंगलवार	39°	28°
बुधवार	39°	29°
वीरवार	39°	29°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?
What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

भारत-ऑस्ट्रेलिया शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी-अल्बानीज की मुलाकात

• **जालंधर ब्रीज** . मेलबर्न

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज द्वारा आयोजित तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। गवर्नमेंट हाउस पहुंचने पर प्रधानमंत्री अल्बानीज़ ने प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनका औपचारिक तौर पर अभिवादन किया। दोनों प्रधानमंत्रियों ने आमने-सामने बातचीत की और उसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। उन्होंने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के छह साल सफलतापूर्वक पूरे होने का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी क्षेत्रों में हुई अहम प्रगति की समीक्षा की और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग को और भी आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। इन क्षेत्रों में व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, साइबर और उभरती प्रौद्योगिकियां, अंतरिक्ष, नागरिक परमाणु ऊर्जा, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा और लोगों के बीच आपसी संबंध शामिल हैं।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने बढ़ती आर्थिक साझेदारी पर ध्यान दिया और एक महत्वाकांक्षी, संतुलित और दोनों देशों के लिए फायदेमंद 'व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते' (सीईसीए) को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के अपने संकल्प को दोहराया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया-भारत सीईओ फोरम के नतीजों और दिन में पहले हुए 'आर्थिक व्यापार रोडमैप' कार्यक्रम की चर्चाओं का स्वागत किया और दोनों देशों के व्यवसायों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में निवेश के नए मौकों को तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने दोनों देशों के बीच शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लगातार विस्तार पर भी जोर दिया। इस संदर्भ में, उन्होंने भारत में ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों की बढ़ती मौजूदगी और भविष्य के लिए तैयार वर्कफोर्स बनाने, इनोवेशन को बढ़ावा देने और लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने में शैक्षिक साझेदारियों के योगदान पर संतोष जताया।

भारतीय समुदाय को मोदी का संदेश

जालंधर ब्रीज (मेलबर्न) . प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया में रह रहे भारतीय समुदाय के एक विशाल जनसमूह को संबोधित किया। विशेष सद्भावना के प्रतीक के रूप में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री माननीय एंथनी अल्बनीज़ भी इस प्रवासी भारतीय कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रधानमंत्री अल्बनीज़ की गरिमामयी उपस्थिति तथा भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को सुदृढ़ बनाने, विशेषकर प्रवासी भारतीय समुदाय के कल्याण के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए उनका भी धन्यवाद किया। प्रधानमंत्री ने पिछले एक दशक में द्विपक्षीय साझेदारी में हुई उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया की अर्थव्यवस्थाओं की परस्पर पूरकता दोनों देशों को एक सुरक्षित, समृद्ध एवं सुदृढ़ साझेदारी को आकार देने हेतु स्वाभाविक भागीदार बनाती है। प्रधानमंत्री ने भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ बनाने में ऑस्ट्रेलिया में रह रहे भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें दोनों देशों के बीच एक जीवंत सेतु बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय ऑस्ट्रेलिया के सामाजिक ताने-बाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को भी सहेजे हुए है और अपने रंग, आत्मीयता तथा जीवंतता से स्थानीय समाज को समृद्ध बना रहा है।

हिमाचल में निवेश को मिलेगा बढ़ावा : सुक्खू

जालंधर ब्रीज (शिमला) . हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने घोषणा की कि राज्य सरकार एक नई औद्योगिक नीति बनाने के अंतिम चरण में है, जिसे जल्द ही अधिसूचित किया जाएगा। यह घोषणा 9 जुलाई की शाम को उद्योग विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान की गई। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सुक्खू ने कहा कि यह नई पॉलिसी राज्य में निवेश लाने, युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर पैदा करने और हिमाचल प्रदेश में 'ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस' को और बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

सुक्खू ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह पॉलिसी व्यापक और इंडस्ट्री-फ्रेंडली हो, इसके लिए सभी संबंधित पक्षों (स्टेकहोल्डर्स) से बातचीत की जा रही है।

पेट्रोल 82 नहीं, 102 रुपये में बिक रहा : केजरीवाल

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देश में 102 रुपए प्रति लीटर बिक रहे ई-20 ब्लेंडेड पेट्रोल की कीमत को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश में शुद्ध पेट्रोल 82 रुपए प्रति लीटर मिलना चाहिए, लेकिन सरकार लोगों को 102 रुपए प्रति लीटर ई-20 पेट्रोल दे रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल है। इस कीमत पर पेट्रोल बनाने की लागत 42 रुपए बैठ रही है। अगर सारा टैक्स जोड़ दिया जाए तब भी 82 रुपए में शुद्ध पेट्रोल और 70 रुपए में ई-20 मिलना चाहिए। इसी हिसाब से डीजल के दाम भी कम होने चाहिए।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पेट्रोल-डीजल के रेट का महंगाई पर सीधा असर पड़ता है। रेट कम होते ही महंगाई कम हो जाएगी। पहले भी तेल कंपनियां 77 हजार करोड़ का मुनाफा कमाई और फिर कमा रही है, लेकिन थोड़े दिन चले युद्ध का बहाना बनाकर जनता की जेब काटी जा रही है।

"आप" मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 115 डॉलर प्रति बैरल से गिरकर 70 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई है। फरवरी, मार्च, अप्रैल और मई में यह कुछ हद तक 115 डॉलर प्रति बैरल थी, लेकिन अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 70 डॉलर प्रति बैरल है। दूसरी तरफ, हमारे देश में मई में भी ई-20 पेट्रोल की कीमत 102 डॉलर प्रति लीटर कर दी गई थी और वह अभी भी 102 रुपए प्रति लीटर ही है। उन्होंने कहा कि जब कच्चे तेल की कीमत कम हुई है, तो देश में पेट्रोल की कीमत भी कम होनी चाहिए। हमारी कैलकुलेशन दिखाती है कि देश में अब पेट्रोल की कीमत 82 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच जानी चाहिए।

सीरियल बम धमाकों को लेकर वड़िंग ने मांगा मान का इस्तीफा

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने पंजाब में

लगातार हो रहे बम धमाकों को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान से इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार और पंजाब पुलिस इन घटनाओं के बारे में पूरी तरह बेखबर और बेबस नजर आ रही हैं। इसके साथ ही, वड़िंग ने अमेरिका में बैठकर भारत को निशाना बनाने वाले गैंगस्टरों के खिलाफ एफबीआई द्वारा की गई कार्रवाई का भी स्वागत किया है। उन्होंने विशेष रूप से पंजाब पुलिस के उस कर्मचारी की पहचान सामने आने को महत्वपूर्ण बताया है, जिस पर 4 लाख अमेरिकी डॉलर की उगाही करने और लोगों को धमकाने के आरोप लगे हैं। यहां पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत के दौरान मोगा के एक पुलिस थाने पर बम हमले को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए, वड़िंग ने कहा कि भगवंत मान पंजाब के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री, दोनों भूमिकाओं में पूरी तरह विफल साबित हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इन धमाकों को ऐसे ले रही है, मानो यह कोई सामान्य बात हो। इस दौरान उन्होंने जालंधर और अमृतसर में करीब एक माह पहले हुए बम धमाकों का भी उल्लेख किया।

राजा वड़िंग ने राज्य में बार-बार हो रहे बम धमाकों को रोकने में पंजाब पुलिस की विफलता पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस थाने ही सुरक्षित नहीं हैं, जिन्हें बिना किसी कानूनी भय के बार-बार निशाना बनाया जा रहा है, तो आम लोगों की सुरक्षा की स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

पंजाब में अगली कांग्रेस की सरकार बननी तय : बघेल

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पंजाब मामलों के प्रभारी कांग्रेस

के महासचिव भूपेश बघेल ने 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की सरकार बनने का पूरा भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकातों का सिलसिला जारी है और आगे भी जारी रहेगा। वह हर नेता और कार्यकर्ता से मिलेंगे। पार्टी के विभिन्न स्तरों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करने के बाद पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में बघेल ने कहा कि पार्टी के भीतर नेताओं और कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह और जोश है। हालाँकि जब उनसे पूछा गया कि वह किन नेताओं से मुलाकात करेंगे, तो बघेल ने कहा कि वह हर नेता से मिलेंगे, क्योंकि यह उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि पंजाब में कांग्रेस अपने उद्देश्य और मिशन को लेकर पूरी तरह एकजुट है।

उन्होंने कहा कि नेताओं द्वारा खुलकर अपने विचार रखना केवल कांग्रेस की ही विशेषता है, क्योंकि पार्टी विचार-विमर्श और चर्चा को प्रोत्साहित करती है। उन्होंने कहा कि अन्य पार्टियों की तरह कांग्रेस में एकतरफा आदेश और संवाद की परंपरा नहीं है। कांग्रेस प्रत्येक नेता की वरिष्ठता और योगदान का सम्मान करती है तथा समय-समय पर उसका उचित सम्मान भी करती है।

बघेल ने आगामी चुनावों में कांग्रेस की आसान जीत की भविष्यवाणी करते हुए, कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह विफल रही है और लोग जितनी जल्दी हो सके, इस सरकार से छुटकारा चाहते हैं।

खालड़ा केस: दोषियों की रिहाई पर सरकार ने नहीं किए हस्ताक्षर

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . आप पंजाब के स्टेट मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने विरोधियों

पर हमला बोलते हुए कहा कि स्वर्गीय जसवंत सिंह खालड़ा केस के मुख्य आरोपी पूर्व डीएसपी जसपाल सिंह की माफी और समय से पहले रिहाई के बारे में सोशल मीडिया और कुछ कथित तौर पर जिम्मेदार मीडिया हाउस द्वारा फैलाई जा रही खबरें पूरी तरह से झूठी, मनगढ़ंत और पंजाब की मान सरकार को बदनाम करने की गहरी साजिश है। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बलतेज पन्नू ने साफ किया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने ऐसी किसी फाइल पर साइन नहीं किए हैं और न ही पंजाब सरकार के लेवल पर ऐसी किसी फाइल पर कोई प्रोसेस हुआ है। यह पूरा मामला सीधे तौर पर केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है जिसमें राज्य सरकार का कोई रोल नहीं है। यह अकाली दल (बादल) और उनके सोशल मीडिया सेल हैं जो अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन और पिछले पापों को छिपाने के लिए झूठ फैला रहे हैं।

बलतेज पन्नू ने मीडिया के सामने तथ्य और आंकड़े पेश करते हुए साफ किया कि पूरे केस की जांच सेंट्रल एजेंसी सीबीआई ने की थी। नए कानूनी प्रोविज़न (सेक्शन 477 बीएनएसएस / 435 सीआरपीसी) के तहत, सीबीआई केस में किसी भी आरोपी की समय से पहले रिहाई पर फैसला लेने का अधिकार राज्य सरकार के पास नहीं है। उन्होंने कहा कि आरोपी जसपाल सिंह ने खुद 2017 में समय से पहले रिहाई के लिए सेंट्रल गृह मंत्रालयमें अप्लाई किया था, जिसे एमएचए और 2018 में उस समय के राज्यपाल ने रद्द कर दिया था।

55.35 करोड़ के फर्जी बिलिंग घोटाले का मास्टरमाइंड पकड़ा

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . पंजाब के वित्त, आबकारी एवं कर मंत्री एडवोकेट हरपाल

सिंह चीमा ने गुरुवार को घोषणा की कि पंजाब राज्य कर विभाग ने जालंधर स्थित एक फर्म के मालिक को 55.35 करोड़ रुपये के फर्जी बिलिंग घोटाले को अंजाम देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्रवाई से लगभग 8.35 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के लेन-देन को सफलतापूर्वक रोका गया है, जिसके माध्यम से गलत एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) रिफंड दावों के जरिए सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा था। यहां जारी एक प्रेस बयान में खुफिया सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई का विवरण देते हुए आबकारी एवं कर मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि राज्य जीएसटी विभाग ने पंजाब जीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 69 के तहत जालंधर स्थित मैसर्स रैमसन्स कॉर्पोरेशन के मालिक भूपिंदर शर्मा को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह फर्म वस्तुओं की वास्तविक आपूर्ति किए बिना जीएसटी चालान जारी कर बड़े पैमाने पर फर्जी बिलिंग और फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट घोटाले में संलिप्त थी।

घोटाले के वित्तीय पैमाने की जानकारी देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस फर्म ने लगभग 55.35 करोड़ रुपये की फर्जी बिलिंग की, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 8.35 करोड़ रुपये का फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट गलत तरीके से प्राप्त किया गया और आगे अन्य फर्मों को स्थानांतरित किया गया।

सुरक्षित सीमा, समृद्ध सीमांत और सजग समाज के साथ ही देश सुरक्षित हो सकता है : अमित शाह

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने नई दिल्ली में सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन-2026 को संबोधित किया

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली में सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन-2026 को संबोधित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय और बंडी संजय कुमार, केन्द्रीय गृह सचिव, निदेशक, आसूचना ब्यूरो और सीमांत राज्यों के पुलिस महानिदेशकों सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस सम्मेलन से समग्र सीमा सुरक्षा के दृष्टिकोण को संस्थागत रूप मिला है और आने वाले समय में तटीय सीमा सुरक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में भी हम समग्रता से आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में सीमाओं की सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा, निराकरण की चिंता और इस दिशा में उपयुक्त उपायों को नीतिगत स्वरूप देने का काम होगा।

अमित शाह ने कहा कि स्मार्ट बॉर्डर की कल्पना पर आधारित भारत की बॉर्डर सुरक्षा व्यवस्था आने वाले समय में विश्व में सबसे आधुनिक होगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार, संबद्ध सीमा रक्षक बल, राज्य एवं ज़िला प्रशासन, भारत सरकार के संबंधित हितधारक तथा स्थानीय नागरिकों के परस्पर जुड़ाव के साथ एक मज़बूत चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड का निर्माण कर रही है। शाह ने कहा कि सुरक्षित सीमा, समृद्ध सीमांत और सजग समाज के साथ ही देश सुरक्षित

हो सकता है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश को जम्मू कश्मीर और नॉर्थईस्ट में आतंकवाद और नक्सलवाद से निजात मिली है जो हमारी साझी सफलता का सूचक है। उन्होंने कहा कि आने वाले 3 सालों में हम नारकोटिक्स की समस्या को गंभीर क्षति पहुंचाकर इस पर भी विजय प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि देश को घुसपैठिया मुक्त बनाने और घुसपैठ हो ही न सके, इसके लिए एक मज़बूत तंत्र का निर्माण कर रहे हैं। शाह ने कहा कि पहले समस्याएं स्थायी और समाधान अस्थायी थे, मोदी सरकार में समस्याओं की जड़ पर प्रहार कर समाधानों को स्थायी बनाया जा रहा है। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने बॉर्डर इन्फ्रास्ट्रक्चर में 400 प्रतिशत वृद्धि कर वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ इसे आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने वायब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के तहत देश के अंतिम गांव को देश का प्रथम गांव कहा है, इसके तहत पलायन रोकने, रोजगार बढ़ाने और सरकारी योजनाओं का शत प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। शाह ने कहा कि मोदी जी ने जनसांख्यिकी परिवर्तन का अध्ययन करने, उसमें असामान्य कारणों से हो रही वृद्धि को चिन्हित करने और भविष्य में इसे रोकने के उपाय सुझाने के लिए डेमोग्राफी मिशन की शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि रूथलैस अप्रोच के साथ जनसांख्यिकी में असामान्य कारणों से हो रही वृद्धि को रोकना मोदी सरकार का संकल्प है। गृह मंत्री ने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में हो रहे जनसंख्यिकी परिवर्तन का मूल कारण घुसपैठ है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सीमा सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए मोदी सरकार ने चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड का निर्माण किया है जिससे हमने अपनी अप्रोच को रिएक्टिव से प्रोएक्टिव में बदला है। मोदी सरकार आइसोलेटेड सीमा चौकी की व्यवस्था से एकीकृत सुरक्षा ग्रिड का निर्माण करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

लकी पटियाल गैंग का सदस्य मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

जालंधर ब्रीज (जालंधर) . जालंधर कमिश्नरेट पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सीआईए स्टाफ ने विदेशी गैंगस्टर लकी पटियाल गैंग के एक सक्रिय सदस्य को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस की कार्रवाई के दौरान आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को तुरंत सिविल अस्पताल, जालंधर में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह, आईपीएस के दिशा-निर्देशों तथा डीसीपी इन्वेस्टिगेशन मनप्रीत सिंह ढिल्लों, एडीसीपी इन्वेस्टिगेशन जयंत पुरी और एसीपी डिटेक्टिव अमरबीर सिंह की निगरानी में की गई। इंस्पेक्टर सुरिंदर कुमार के नेतृत्व में सीआईए स्टाफ ने गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी की घेराबंदी की।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें आरोपी घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही काबू कर लिया।

भारत के 10 अनोखे गांव, जिनकी खासियत जानकर रह जाएंगे हैरान

Travelling भारत के गांव केवल खेती-बाड़ी के लिए ही नही हैं बल्कि इन गांवों में समृद्ध भारत की पहचान भी छुपी है। जैसे की ये 10 गांव जो अपनी विशेष बातों की वजह से पॉपुलर हैं, क्या आप जानते हैं?

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

भारत का कोना-कोना खास है। यहां के नदी, पहाड़, झरने और वादियां ही नहीं बल्कि गांव भी अपनी अलग खासियत रखते हैं। वैसे तो हर शहर के आसपास गांव मिल जाएंगे। लेकिन कुछ गांव अपनी अजीब मान्यताओं और खासियत की वजह से पॉपुलर हैं। इनमे से 10 गांवों की जानकारी यहां हम दे रहे जो अलग-अलग कारणों और खासियत की वजह से बाकी गांवों से बिल्कुल अलग और खास है।

कोदिन्ही गांव : केरल का छोटा सा गांव जहां पर जुड़वां बच्चों की तादाद काफी ज्यादा है। इस छोटे से गांव में करीब 200 से ज्यादा जुड़वा जोड़े रहते हैं। केरल के मलप्पुरम जिले में बसा ये गांव अपने अनोखेपन की वजह से फेमस है और इस गांव में साइंटिस्ट भी रिसर्च कर चुके हैं क्योंकि यहां ज्यादातर बच्चे जुड़वा ही पैदा होते हैं।

मावलिननान्ग गांव : मेघालय का ये गांव एशिया का सबसे साफ-सुथरा गांव माना जाता है। यहां पर गंदगी, प्लास्टिक और कचरे पर पूरी तरह से बैन है।

हिवारे बाजार : महाराष्ट्र का ये गांव अपने पैसे रुपयों के लिए जाना जाता है। यहां पर करीप 60 से भी ज्यादा करोड़पति किसान रहते हैं। जिन्होंने खेती-बारी से संपत्ति बनाई है।

शेतफल गांव : महाराष्ट्र के शोलापुर जिले का शेतफल गांव अपनी अनोखी पहचान रखता है। यहां पर इंसान और कोबरा सांप एक साथ रहते हैं। कोबरा सांपों को परिवार के सदस्य की तरह पाला जाता है। घरों में इन के रहने के लिए काफी स्मार्टली होता है। वाई फाई का यूज होता है और लोग टेक्नोलॉजी में आगे हैं।

मत्तूर गांव : कर्नाटक का ये गांव अपने विशेष स्थान दिया जाता है।

मलाना गांव : हिमाचल प्रदेश का ये गांव अपने पूर्वजों की वजह से फेमस है। यहां पर रहने वाले गांव वासी खुद को सिकंदर का वंशज मानते हैं और अपनी परंपराओं का सख्ती से पालन करते हैं।

छप्पर गांव : छप्पर गांव हरियाणा में बना है। यहां पर बेटियों को खास सम्मान दिया जाता है। घर के बाहर बेटी के नाम की नेमप्लेट लगाई जाती है।

पिपलांत्री गांव : पिपलांत्री गांव पर्यावरण की सुरक्षा के लिए फेमस है। यहां पर बेटी के जन्म के वक्त पूरा गांव मिलकर 11 पेड़ लगाता है। राजस्थान के राजसमंद जिले के पिपलांत्री गांव की ये अनूठी परंपरा काफी समय से चली आ रही है।

कोंगटहोंक गांव : मेघालय का ये गांव बिल्कुल जुदा है। यहां पर मां अपने बच्चे का नाम नहीं बुलाती बल्कि खास तरह की धुन बनाती है। इसी धुन से वो अपने बच्चे को बुलाती है और वहीं धुन उसकी पहचान माना जाता है।

माराजपुर गांव : गुजरात का ये गांव अपने डिजिटली डेवलप होने की वजह से फेमस है। यहां पर टेक्नोलोजी का इस्तेमाल खास तरह की भाषा के लिए मशहूर है। कहा जाता है कि यहां पर आज भी काफी सारे लोग आपस में संस्कृत में बात करते हैं। कर्नाटक से 300 किमी दूर तुंग नदी के किनारे बसा ये गांव अपनी संस्कृत भाषा के लिए मशहूर है। इस गांव के लोगों को संस्कृत बहुत ही अच्छी तरह से आती है और यहां पर लगे दिवारों पर चित्र भी संस्कृत में लिखे होते हैं।

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

LIFESTYLE

फ्लोरल हो या बनारसी साड़ी, सभी के साथ जचेंगे ये 8 लेटेस्ट बैकलेस ब्लाउज डिजाइन

फ्लोरल वाली सिंपल साड़ी हो या फिर बनारसी इन दिनों बैकलेस ब्लाउज के खूबसूरत डिजाइन सभी के साथ चल रहे हैं। तो आप भी इस बार ब्लाउज में बैकलेस पैटर्न ट्राई कर लीजिए। हम आपको यहां कुछ लेटेस्ट डिजाइन दिखा रहे हैं।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

बैकलेस ब्लाउज के सुंदर डिजाइन

साड़ी हो या ब्लाउज आजकल सभी का ट्रेंड बदल चुका है। पहले साधारण ब्लाउज सिलवाने का फैशन था लेकिन अब ब्लाउज में कई तरह की डिजाइन महिलाएं बनवाना पसंद करती हैं। आजकल बैकलेस ब्लाउज डिजाइन काफी चल रहे हैं और अच्छी बात ये है कि ये ब्लाउज पैटर्न फ्लोरल से लेकर बनारसी साड़ी तक के साथ खूबसूरत लगते हैं।

अगर आपकी साड़ी बिल्कुल सिंपल है, तब भी आप इन ब्लाउज को पहनकर स्टाइलिश दिख सकती हैं। तो चलिए इस बार ब्लाउज में बैकलेस डिजाइन बनाने के लिए टेलर भैया को ऑर्डर दे दीजिए और हम आपको कुछ लेटेस्ट और ट्रेंडी डिजाइन्स दिखा देते हैं।

डोरी वाले बैकलेस ब्लाउज

बैकलेस ब्लाउज में आप डोरी वाले डिजाइन बनवा सकती हैं। इसमें आपको सिर्फ डोरी के सहारे ब्लाउज को बांधना होगा। इस तरह के पैटर्न को चोली वाले ब्लाउज भी कहते हैं। आजकल ये डिजाइन ट्रेंड में चल रहे हैं।

जिग-जैग बैकलेस पैटर्न

पफ स्लीव्स और जिग-जैग बेकलेस स्टाइल वाला ब्लाउज भी आप सिलवा सकती हैं। इसमें ऊपर वाली डिजाइन चौड़ी और नीचे की ओर पतली होगी। इस तरह का पैटर्न भी खूबसूरत लगेगा।

कमल बैकलेस ब्लाउज

अगर आप सिंपल बैकलेस डिजाइन वाले ब्लाउज नहीं पहनना पसंद करती हैं, तो पीछे कोई डिजाइन बनवा सकती हैं। जैसे इस ब्लाउज में कमल का फूल बना हुआ है, जो देखने में अच्छा लग रहा है। साथ ही फूल के साथ लटकन भी लगी है, जो इसे और सुंदर बना रही है।

रोटेशनल फोल्ड बैकलेस डिजाइन

ब्लाउज के पीस में बचे हुए कपड़े को पीछे की ओर जोड़ते हुए इस तरह के बैकलेस पैटर्न बनाए जाते हैं। इसे डिजाइन रोटेशनल ट्विस्ट देते हुए बनाते हैं। ऊपर की ओर इसे अपोजिट डायरेक्शन में बनाया गया है और नीचे स्ट्रैप स्टाइल बेल्ट लुक दिया गया है। इस तरह का ब्लाउज भी कूल लुक देगा।

वी शेप बैकलेस डिजाइन

वी शेप में भी बैकलेस ब्लाउज डिजाइन बनवा सकती हैं। इस ब्लाउज को नीचे की ओर छल्ले की मदद से जोड़ा गया है, ये पैटर्न काफी प्यार लगेगा। अगर सिंपल साड़ी को स्टाइलिश लुक देना चाहती हैं, तो इस तरह का डिजाइन चुनें।

सिंपल बैकलेस पैटर्न

अगर आप ज्यादा डिजाइन नहीं पसंद करती हैं, तो सिंपल बैकलेस ब्लाउज सिलवाएं। इसमें आपके ब्लाउज में ऊपर की ओर डोरी दी जाएगी और नीचे इसे स्ट्रैप बेल्ट लुक दिया जाएगा। ये बैकलेस भी लगेगा और सिंपल भी।

डोरी वाला बैकलेस लुक

किसी हैवी साड़ी के लिए ब्लाउज सिलवा रही हैं, तो डोरी वाला पैटर्न बनवाएं। इसमें साइड में बेल्ट दे दी जाती है और उनमें जिग-जैग स्टाइल में डोरी डालकर बांधी जाती हैं। ये बैकलेस ब्लाउज डिजाइन देखने में स्टाइलिश लगेगा।

सितारों वाला बैकलेस लुक

मिरर वर्क वाली साड़ियों के लिए आप इस तरह का बैकलेस ब्लाउज सिलवा सकती हैं। ये पैटर्न देखने में क्लासी और पहनने पर सुंदर लुक देगा। ऊपर आप डोरी लगवाएं और नीचे की ओर स्ट्रैपी लुक दें या फिर छल्ले वाला पैटर्न चुनें।

मुंह में रखते ही घुल जाएगी ये नानखटाई, इस रेसिपी को बनाएं घर पर बनाए

चाय के साथ अगर कुछ पारंपरिक और स्वादिष्ट खाने का मन हो, तो नानखटाई से बेहतर क्या हो सकता है। बाहर से कुरकुरी और अंदर से नरम यह मिठास भरी नानखटाई अब आप घर पर भी आसानी से बना सकते हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

नानखटाई का नाम सुनते ही कई लोगों की बचपन की यादें ताजा हो जाती हैं। पहले मोहल्ले की छोटी बेकरी से आने वाली ताजी नानखटाई की खुशबू पूरे घर में फैल जाती थी। चाय के साथ इसका स्वाद आज भी लोगों को खूब पसंद आता है। बाहर से हल्की कुरकुरी और अंदर से नरम नानखटाई बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी की पसंदीदा होती है।

अच्छी बात यह है कि इसे बनाने के लिए बहुत ज्यादा चीजों की जरूरत नहीं पड़ती। अगर आप भी घर पर पुरानी बेकरी जैसा स्वाद पाना चाहते हैं, तो यह पारंपरिक नानखटाई रेसिपी जरूर ट्राई करें। यकीन मानिए, इसकी खुशबू और स्वाद हर किसी का दिल जीत लेंगे।

नानखटाई बनाने के लिए सामग्री

- एक कटोरी मैदा
- आधा कटोरी बेसन
- आधा कटोरी सूजी
- आधा कटोरी घी
- तीन चौथाई कटोरी पिसी चीनी
- आधा छोटा चम्मच इलायची पाउडर
- एक चौथाई छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर
- एक चुटकी बेकिंग सोडा
- सजाने के लिए पिस्ता या बादाम

ऐसे तैयार करें नानखटाई का आटा

- सबसे पहले एक बड़े बर्तन में घी और पिसी चीनी डालें।
- इन्हें अच्छी से फेंट लें, ताकि मिश्रण हल्का और मुलायम हो जाए।
- अब इसमें मैदा, बेसन और सूजी डालें।
- इसके बाद इलायची पाउडर, बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा भी मिला दें।
- सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाकर नरम आटा तैयार कर लें।
- अगर आटा ज्यादा सूखा लगे, तो थोड़ा घी और मिला सकते हैं।

ऐसे बनाएं नानखटाई

तैयार आटे से छोटे-छोटे गोले बना लें। अब इन्हें हल्का दबाकर ऊपर से पिस्ता या बादाम लगा दें। उसके बाद एक बेकिंग ट्रे में इन्हें थोड़ी-थोड़ी दूरी पर रखें। पहले से गर्म किए गए ओवन में मध्यम तापमान पर लगभग 15-20 मिनट तक पकाएं। जब नानखटाई हल्की सुनहरी हो जाए, तो इसे बाहर निकाल लें। ठंडी होने पर यह और ज्यादा कुरकुरी हो जाएगी।

स्वाद बढ़ाने के लिए जरूरी टिप्स

घी की मात्रा सही रखें : **नानखटाई** का असली स्वाद घी से आता है इसलिए घी की मात्रा बहुत कम ना करें।

आटा ज्यादा ना गूंधें : आटे को हल्के हाथों से मिलाएं। ज्यादा गूंधने से नानखटाई सख्त हो सकती है।

इलायची जरूर डालें : इलायची नानखटाई को पारंपरिक स्वाद और खुशबू देती है।

नानखटाई को कितने दिन तक स्टोर कर सकते हैं?

नानखटाई को सही तरीके से स्टोर किया जाए, तो यह दो से तीन हफ्ते तक आसानी से ताजा रह सकती है। इसे हमेशा एयरटाइट कंटेनर में रखें, नमी से बचाकर रखने पर नानखटाई लंबे समय तक हल्की करारी भी बनी रहती है।

12वीं के बाद कौन-सी स्ट्रीम चुनें? सही निर्णय से बनाएं सुनहरा करियर

PARENTING

जालंधर ब्रीज (फीचर) . 12वीं की परीक्षा पास करने के बाद सबसे बड़ा सवाल होता है कि अब आगे किस स्ट्रीम में पढ़ाई की जाए। यह फैसला केवल डिग्री लेने का नहीं, बल्कि पूरे करियर की दिशा तय करने का होता है। इसलिए किसी दोस्त, रिश्तेदार या समाज के दबाव में आकर नहीं, बल्कि अपनी रुचि, क्षमता और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखकर निर्णय लेना चाहिए।

यदि आपकी रुचि विज्ञान, तकनीक, रिसर्च या मेडिकल क्षेत्र में है, तो साइंस स्ट्रीम आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकती है। साइंस के छात्रों के लिए इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग, फार्मेसी, बायोटेक्नोलॉजी, डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे कई आकर्षक करियर विकल्प उपलब्ध हैं।

अगर आपको बिजनेस, बैंकिंग, फाइनेंस या अकाउंट्स में रुचि है, तो कॉमर्स स्ट्रीम चुनना लाभदायक रहेगा। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंसी (CA), कंपनी सेक्रेटरी (CS), कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी (CMA), बी.कॉम, बीबीए, एमबीए और बैंकिंग जैसे अनेक अवसर मौजूद हैं।

वहीं, जिन छात्रों की रुचि इतिहास, राजनीति, साहित्य, मनोविज्ञान, पत्रकारिता, कानून या सामाजिक कार्यों में है, उनके लिए आर्ट्स (ह्यूमैनिटीज) एक शानदार विकल्प है। इस स्ट्रीम से सिविल सेवा, पत्रकारिता, कानून, शिक्षण, डिजाइन, सोशल वर्क और कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में बेहतरीन करियर बनाया जा सकता है।

आज के समय में पारंपरिक डिग्रियों के अलावा स्किल-आधारित और प्रोफेशनल कोर्स भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। डिजिटल मार्केटिंग, ग्राफिक डिजाइन, वेब डेवलपमेंट, एनीमेशन, होटल मैनेजमेंट, फैशन डिजाइन, एविएशन और पैरामेडिकल जैसे कोर्स कम समय में रोजगार और स्वरोजगार दोनों के अच्छे अवसर प्रदान करते हैं।

स्ट्रीम चुनते समय केवल वर्तमान ट्रेंड या दूसरों की सलाह पर निर्भर न रहें। अपनी रुचि, योग्यता, आर्थिक स्थिति, भविष्य की मांग और करियर के अवसरों का सही मूल्यांकन करें। आवश्यकता हो तो करियर काउंसलर, शिक्षकों और अनुभवी लोगों से सलाह लें।

याद रखें, सही स्ट्रीम वही है जिसमें आपकी रुचि हो, सीखने का उत्साह हो और भविष्य में बेहतर अवसर मिलने की संभावना हो। सोच-समझकर लिया गया एक सही निर्णय आपके सफल और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बन सकता है।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

बारिश के सीजन में की गई ये पांच गलती पहुंचा देगी अस्पताल, डॉक्टर ने दी चेतावनी

Health बारिश के सीजन में सर्दी-जुकाम के साथ फीवर आना कॉमन है। लेकिन इसके साथ ही कई तरह की दिक्कतें हो जाती है। अगर फीवर होने के साथ ही कई दूसरी समस्याएं भी रहीं तो इसे हल्के में ना लें। डॉक्टर ने...

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

बारिश का मौसम सेहत के लिहाज से काफी नाजुक होता है। इस वक्त बैक्टीरिया और जर्म्स की ग्रोथ तेज होती है और जरा सी लापरवाही आपको अस्पताल पहुंचा सकती है। ऐसा हम नहीं बल्कि डॉक्टर बोल रहे। डॉक्टर मिहिर ने मॉनसून की 5 गलतियों को शेयर किया है। जिसे अक्सर लोग हर बारिश दोहराते हैं और बीमार होते हैं। इन गलतियों को भूलकर भी ना करें।

हर बुखार वायरल नहीं होता : आमतौर पर सीजन बदलने की वजह से बारिश के मौसम में सर्दी-जुकाम होना नॉर्मल है। और बुखार भी होता है, जिसमे लोग पैरासिटामॉल खा लेते हैं। लेकिन 48 घंटे से ज्यादा टाइम तक बुखार हो रहा और साथ में खांसी, सांस लेने में दिक्कत, रैशेज,ब्लीडिंग हो रही तो इसे इग्नोर ना करें। फौरन चेकअप कराएं क्योंकि साधारण बुखार डेंगू, चिकनगुनिया,मलेरिया, लेप्टोपायरोसिस जैसी गंभीर और खतरनाक बीमारियां भी बुखार से ही स्टार्ट होती हैं।

बारिश वाले पानी में चलना : बारिश के मौसम में कहीं पर जलभराव हुआ है और आप उसमे से होकर गुजरते हैं तो ये केवल आपके जूतों को खराब नहीं करता बल्कि आपकी सेहत को भी नुकसान पहुंचा सकता है। खासतौर पर अगर आपके पैरों में किसी तरह के कट लगे हैं, चोट या घाव हुआ है। सड़क पर जमे पानी में चलने से केवल स्किन इंफेक्शन नहीं होता बल्कि ये आपके शरीर में बैक्टीरिया को भी फैलाता है। अगर पैरों में किसी भी तरह का छोटा सा कट या घाव है तो बैक्टीरिया शरीर के अंदर पहुंच जाते हैं और लैप्टोपाययरोसिस नामकी गंभीर बीमारी को फैलाते हैं। जिससे लिवर, किडनी और फेफड़ों के बीमार होने का डर रहता है। इसीलिए बारिश के मौसम में घर आने के बाद पैरों को अच्छी तरह से साफ करें और अगर घाव हुआ है तो उसे ढंककर रखें।

घर में मच्छरों की पैदावार : लोगों को लगता है मच्छर बाहर से आ रहे जबकि ये गलत है। बाहर से ज्यादा मच्छर आपके घर में होते हैं। फ्लावर पॉट, एसी ड्रिप ट्रे, फ्रिज के आसपास, कूलर, गमलों के नीचे लगी ट्रे ये सारे मच्छरों के ब्रीडिंग ग्राउंड होते हैं। इन्हें हर दिन देखना और सफाई करना मच्छरों की तादाद को घर में फैलने से रोकना है।

गीले कपड़े घर के अंदर सुखाना : आजकल अपार्टमेंट और छोटे घरों में लोग गीले कपड़ों को घर के अंदर सुखाते हैं। बारिश के दिनों में ऐसा करना घर में सीलन और ह्यूटिडी बढ़ाता है। जिससे अस्थमा, एलर्जी, साइनोसाइटिस जैसी समस्या बढ़ जाती है। अगर घर के अंदर गीले कपड़े सुखाने ही पड़ते हैं और दूसरा कोई विकल्प नहीं है तो घर में वेंटिलेशन अच्छा हो, पंखा चलाकर रखें या फिर एक अच्छा डिह्यूमिडिफायर हो। जिससे घर की नमी दूर रहे और बीमारी ना फैले।

ना खाएं एंटीबायोटिक : बिना किसी डॉक्टर की सलाह के घर में ही एजेंथ्रोमाइसिन जैसी एंटीबायोटिक दवाओं को भूलकर भी ना खाएं। ये दवाएं डेंगू, चिकनगुनिया, इंफ्लूएंजा और दूसरी वायरल फीवर में असर नहीं दिखाती हैं। इन दवाओं से बुखार ठीक नहीं होता बल्कि लगातार खाने से आपको एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस की समस्या हो सकती है, जिससे इलाज में देरी होगी और किसी भी तरह की एंटीबायोटिक फायदा नहीं पहुचाएगी।

डिस्क्लेमर : इस लेख के सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की चिरस्थाई विरासतः संस्थाएं, विचार और राष्ट्र निर्माण

• **जालंधर ब्रीज .** नई दिल्ली

इतिहास अक्सर महान नेताओं को उनके राजनीतिक संघर्षों के जरिए याद करता है। लेकिन राजनेताओं के चिरस्मरणीय योगदान राजनीति के दायरे तक ही सीमित नहीं होते। उनकी वास्तविक विरासत उनके द्वारा सृजित संस्थाओं, परिपोषित विचारों और आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़े गए आदर्शों में होती है। राष्ट्र भारत केसरी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 125वां जन्म दिवस मना रहा है। इस अवसर पर उनके सार्वजनिक जीवन के एक ऐसे पहलू को स्मरण करना प्रासंगिक होगा जिसकी ओर व्यापक रूप से गौर करने की जरूरत है। यह पहलू है, राष्ट्र निर्माण की बुनियाद के रूप में संस्थाओं का सृजन करने की उनकी आजीवन प्रतिबद्धता।

स्वतंत्र भारत का उदय सिर्फ एक राजनीतिक संघर्ष से नहीं हुआ। उसे विश्वविद्यालय बनाने थे जो नागरिकों को शिक्षित करने में सक्षम हों। ऐसी अनुसंधान संस्थाएं खड़ी करनी थीं जो वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार कर सकें। उसे ऐसे उद्योग तैयार करने थे जो आर्थिक आत्मनिर्भरता पैदा कर सकें। सभ्यता की विरासत की रक्षा करने वाले सांस्कृतिक संगठनों और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने वाली लोक संस्थाओं को तैयार करना था। डॉ मुखर्जी ने जल्दी ही समझ लिया था कि राष्ट्र का भविष्य सिर्फ दूरद्रष्टा नेतृत्व पर ही निर्भर नहीं करता। यह उन मजबूत संस्थाओं पर भी निर्भर करता है जो नेताओं और सरकारों से ज्यादा टिकाऊ होंगी।

उनका असाधारण शैक्षिक कॅरियर उनके विश्वास को प्रतिबिंबित करता है। वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने। उन्होंने वैसे समय में यह कार्यभार संभाला जब उच्चतर शिक्षा भारत के बौद्धिक जागरण का केंद्र बन रही थी। उनके लिए विश्वविद्यालय सिर्फ स्नातक तैयार करने के स्थल नहीं थे। वे वैसे सुविज्ञ नागरिकों को गढ़ने वाले संस्थान थे जो सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी के साथ योगदान करने में सक्षम हों। उनकी राय थी कि शिक्षा को राष्ट्र निर्माण के वृहत्तर कार्य से अलग नहीं किया जा सकता।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रगति के प्रति उनका समर्पण विश्वविद्यालयों के परिसर से कहीं आगे बढ़कर था। भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु की कोर्ट और काउंसिल के सदस्य के तौर पर, उन्होंने भारत के प्रमुख वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों में से एक को मज़बूत बनाने में योगदान दिया। 1947 में, उन्होंने 'डिपार्टमेंट ऑफ़ पावर इंजीनियरिंग' की आधारशिला रखी क्योंकि वे भली-भांति समझते थे कि स्वतंत्र भारत की आर्थिक प्रगति के लिए इंजीनियरिंग की शिक्षा और प्रौद्योगिकी क्षमता बहुत ज़रूरी होगी। नवाचार को मुख्य नीतिगत लक्ष्य बनाए जाने से बहुत पहले ही, उन्होंने यह समझ लिया था कि वैज्ञानिक उत्कृष्टता और औद्योगिक विकास ही देश की दीर्घकालिक मज़बूती तय करेंगे।

गजेंद्र सिंह शेखावत
(लेखक केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री हैं।)

स्वतंत्रता के बाद, जब डॉ. मुखर्जी भारत के पहले उद्योग और आपूर्ति मंत्री बने, तब इस दृष्टिकोण को व्यावहारिक रूप दिया गया। उन शुरुआती सालों में, नए नए आज़ाद देश के सामने एक औद्योगिक आधार तैयार करने की बड़ी चुनौती थी। चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स और सिंदरी फर्टिलाइज़र फैक्ट्री जैसे संस्थान सिर्फ़ मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के तौर पर नहीं, बल्कि तकनीकी क्षमता और आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के संकल्प के प्रतीक के तौर पर स्थापित किए गए थे। डॉ. मुखर्जी के लिए, औद्योगीकरण कभी भी अपने आप में कोई अंतिम लक्ष्य नहीं था; यह राष्ट्रीय क्षमता और सामूहिक आत्मविश्वास में किया गया एक निवेश था।

हालाँकि, किसी भी संस्थान के निर्माण के लिए केवल भौतिक अवसंरचना या प्रशासनिक कुशलता की ही ज़रूरत नहीं होती। इसके लिए सहानुभूति, जन-सेवा और नैतिक ज़िम्मेदारी की भावना की भी आवश्यकता होती है। डॉ. मुखर्जी में इन गुणों की झलक 1943 के बंगाल अकाल के दौरान ही साफ़ तौर पर दिखाई दी थी, जब उन्होंने बीसवीं सदी की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी से प्रभावित लोगों के लिए बड़े पैमाने पर राहत कार्य करने में खुद को समर्पित कर दिया था। विभाजन के बाद, उन्होंने विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए बड़े पैमाने पर काम किया। वे समझते थे कि राष्ट्र के पुनर्निर्माण में संस्थानों को फिर से खड़ा करने के साथ-साथ लोगों के दुख दर्द को कम करना और उस पर मरहम लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

उनका सार्वजनिक जीवन, भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरी समझ और सम्मान को भी दर्शाता था। 'महाबोधि सोसाइटी ऑफ़ इंडिया' के अध्यक्ष के तौर पर, उन्होंने बौद्ध देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाई। सभ्यतागत कूटनीति के स्थायी महत्व को समझते हुए, बुद्ध के मुख्य शिष्यों—अर्हत सारिपुत्र और अर्हत मौद्गल्यायन—के पवित्र अवशेषों का भारत में स्वागत करने में उन्होंने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। आज भी, मंगोलिया जैसे देशों के साथ इन पवित्र अवशेषों को साझा करने की भारत की कोशिशें यह दिखाती हैं कि किस तरह सांस्कृतिक विरासत अंतरराष्ट्रीय सद्भावना को मज़बूत करती है और ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा बनाती है।

साहित्य और विद्वता के प्रति भी उनकी चिंता उतनी ही स्पष्ट थी। उनके पत्रों से पता चलता है कि उन्होंने प्रसिद्ध कवि काज़ी नज़रुल इस्लाम की उनके व्यक्तिगत संकट के समय किस तरह मदद की थी। ऐसी घटनाएँ हमें याद दिलाती हैं कि सार्वजनिक नेतृत्व को केवल बड़े नीतिगत फैसलों से ही नहीं, बल्कि उदारता के उन शांत और मौन कार्यों से भी आंका जाता है, जिन पर शायद ही कभी लोगों का ध्यान जाता है।

डॉ. मुखर्जी ने संस्थागत निर्माण के इसी दृष्टिकोण को संविधान सभा में भी आगे बढ़ाया। संविधान के निर्माण को "एक बड़ी जिम्मेदारी" और "एक गंभीर और पवित्र विश्वास" के रूप में वर्णित करते हुए, उन्होंने संवैधानिक शासन के साथ जुड़ी नैतिक ज़िम्मेदारियों पर ज़ोर दिया। उनके वे शब्द आज भी बेहद प्रासंगिक हैं। संविधान की ताकत अंततः न केवल उसके लिखित प्रावधानों पर, बल्कि संसद की शुचिता, सार्वजनिक संस्थानों की स्वतंत्रता, कानून के शासन और नागरिकों की जिम्मेदारी पर भी निर्भर करती है। संवैधानिक लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब संस्थाओं पर जनता का भरोसा हो और वे ईमानदारी से काम करें।

जैसे-जैसे भारत एक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर हो रहा है, डॉ. मुखर्जी की सोच हमें एक ज़रूरी बात याद दिलाती है। सिर्फ़ आर्थिक विकास से ही देश की तरक्की तय नहीं होती। संवहनीय विकास के लिए शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, सांस्कृतिक संरक्षण और लोगों का भरोसा जगाने वाले संस्थानों में लगातार निवेश की ज़रूरत होती है।

भारत की एकता और प्रगति को समर्पित जीवन

• **जालंधर ब्रीज .** नई दिल्ली

6 जुलाई का दिन राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत ही विशेष था। हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म-जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं।

श्यामा प्रसाद जी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी। लेकिन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद जी ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस सफर में उन्हें कई गहरे व्यक्तिगत दुख भी झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया। लेकिन इन दुखद परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने हौसले को कमजोर नहीं पड़ने दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना था। देश के विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ वर्षों बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भी संघर्ष किया। जेल और नजरबंदी भी उन्हें रास्ते से डिगा नहीं सकी। जब नजरबंदी के दौरान उनका निधन हुआ, तब वे उन अनगिनत लोगों से बहुत दूर थे, जिनके लिए वे जीवनभर संघर्ष करते रहे। इतिहास में कुछ ऐसे पल आते हैं, जब किसी व्यक्ति का सर्वोच्च बलिदान राजनीति से ऊपर उठकर देश की स्मृति का हिस्सा बन जाता है। डॉ. मुखर्जी का बलिदान भी ऐसा ही था। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि डॉ. मुखर्जी ने उस उद्देश्य के लिए अपना बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद, साल 2019 में आर्टिकल 370 और 35(A) को हटाया जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी।

नरेंद्र मोदी
(नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं)

डॉ. मुखर्जी ने हमेशा राष्ट्रहित और भारतीय मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके लिए उन्होंने मजबूत संस्थानों का निर्माण किया और ऐसी व्यवस्थाएं बनाईं, जो उस समय की सोच से काफी आगे थीं। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में ऐसे बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। शिक्षाविदों के एक सम्मेलन में डॉ. मुखर्जी ने कहा था, ''शिक्षण संस्थानों को केवल बाबू या कम वेतन वाले कर्मचारी तैयार करने की फैक्ट्री समझना गलत है। हमें विद्यार्थियों को ऐसे तैयार करना होगा ताकि वे नेतृत्व की भूमिका निभा सकें। हमारी स्वशासी संस्थाओं जैसे म्युनिसिपल कॉरपोरेशन्स, प्रांतीय और केंद्रीय विधायिकाओं में बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हो सकें। इसके साथ ही वे वित्त, व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा दिखा सकें।''

कलकत्ता विश्वविद्यालय में अपने नेतृत्व में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। इनमें लाइब्रेरी की सुविधाओं में सुधार, विज्ञान में रिसर्च को बढ़ावा देना, ऐतिहासिक वस्तुओं के अध्ययन को प्रोत्साहित करना और कृषि से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू करना शामिल था। उन्होंने खेलकूद, टीचर्स ट्रेनिंग और स्टूडेंट वेलफेयर जैसे क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया। विद्यार्थियों में अपनी यूनिवर्सिटी के प्रति गर्व की भावना विकसित हो, इसके लिए उन्होंने 24 जनवरी को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाने की परंपरा शुरू की। उन्होंने गुरुदेव टैगोर से विश्वविद्यालय के लिए एक गीत लिखने का अनुरोध भी किया था। उनके जीवन के बाद के वर्षों में इस भावना का एक और उदाहरण तब देखने को मिला, जब उन्होंने भारतीय जनसंघ बनाने का निर्णय लिया। उस समय देश में हर तरफ कांग्रेस पार्टी का ही बोलबाला था। ऐसे में उन्होंने महसूस किया कि देश को एक ऐसे नए विकल्प की बहुत जरूरत है, जो भारत की प्रगति की बात भी करे और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी का चुनाव चिह्न 'दीपक' यानि मिट्टी का दीया रखा गया। एक अकेला दीया देखने में भले ही छोटा लगे, लेकिन उसमें अपने आस-पास के गहरे से गहरे अंधकार को मिटाने की अद्भुत शक्ति होती है। जनसंघ ने अपने सक्रिय काल में और उसके बाद भी बिल्कुल यही किया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्यकाल बेहद अहम रहा। उन्हें एक ऐसे राजनेता के रूप में याद किया जाता है, जिनका विजन बहुत विराट था। वे उद्योग को नए-नए आजाद हुए भारत के लोगों में सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास का संचार करने का सशक्त माध्यम मानते थे। वे वेल्थ और वैल्यू क्रिएशन के महत्व को भली-भांति समझते थे। उन्होंने दामोदर वैली कॉरपोरेशन, सिंदरी उर्वरक संयंत्र और मजबूत औद्योगिक नीति जैसी ऐतिहासिक पहल की। इसके माध्यम से आधुनिक औद्योगिक भारत की नींव रखी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि भारत के पारंपरिक सामर्थ्य की कभी उपेक्षा न हो। वे हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों और कपड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों के हितों के भी प्रबल समर्थक थे। यहां मैं अपना एक निजी अनुभव भी साझा करना चाहता हूं। आत्मनिर्भर भारत के स्पष्ट विजन के साथ जिस सिंदरी संयंत्र की स्थापना के लिए डॉ. मुखर्जी ने अथक प्रयास किए थे, उसकी कई दशकों तक सत्ता में रहने वाले लोगों ने घोर उपेक्षा की।

नारी शक्ति : वादों से लेकर कर दिखाने तक : ब्रिक्स में भारत का योगदान

जालंधर ब्रीज : भारत ने 1 जनवरी 2026 को "लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण" की थीम के तहत ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली। महिलाओं से जुड़े मामलों में हमारा योगदान बेहद खास रहा है। हम सिर्फ़ कोई नारा या तारीफ़ के लिए सफल कहानियों का संग्रह पेश नहीं कर रहे हैं। हम एक ऐसा कामकाजी ढांचा लेकर आए हैं, जो करोड़ों महिलाओं तक पहुँचा है। यह ढांचा सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां से शुरू होकर जहाँ भी जाता है, वहाँ आगे और विकसित होने के लिए तैयार रहता है।

अन्नपूर्णा देवी
(लेखिका भारत सरकार में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं)

यही भारत की खास बात है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से ज़्यादा समय से भारत ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को एक राष्ट्रीय मिशन के तौर पर अपनाया है और इस काम को इतने बड़े पैमाने पर किया है, जिसकी बराबरी बेहद कम देश कर सकते हैं। 2023 में अपनी G20 अध्यक्षता के दौरान, भारत ने वैश्विक सोच को "महिलाओं के विकास" से बदलकर "महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास" की ओर मोड़ने में मदद की। यह महज़ शब्दों का बदलाव नहीं था, बल्कि सोच का भी बदलाव था। महिलाओं को सिर्फ़ लाभार्थी के तौर पर देखने के बजाय, उन्हें नेतृत्वकारी भूमिका में देखना। कोच्चि में हम इसी बदलाव से जुड़ा सवाल उठा रहे हैं: एक बार वादा करने के बाद, उसे बड़े पैमाने पर, आख़िरी गाँव की आख़िरी महिला तक कैसे पहुँचाया जाए? भारत ने पिछले दस सालों में सिर्फ़ सैद्धांतिक तौर पर नहीं, बल्कि असल में इस सवाल का जवाब दिया है।

भारत के लिए यह सोच नई नहीं, बल्कि बहुत पुरानी है। विकास की भाषा के आने से काफी पहले ही, हमारी संस्कृति ने नारी को शक्ति, ज्ञान और समृद्धि का स्रोत माना था।

मूल्य श्रृंखला का जुड़ाव: पीएम मित्र पार्क के ज़रिए कैसे भारत के टेक्सटाइल क्षेत्र की बदल रही है तस्वीर

जालंधर ब्रीज : सदियों से, भारत की पहचान उसके परिधानों से गहराई से जुड़ी रही है। चाहे वह कश्मीर के पश्मीना की लंबे समय तक रहने वाली गर्माहट हो, असम के मूंगा सिल्क की सुनहरी चमक हो, तमिलनाडु की शाही कांजीवरम साड़ियाँ हों, चंदेरी की बुनाई हो या सूरत के कारीगरों की कपड़ों पर मशहूर कारीगरी। आज भी यह क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बनकर खड़ा है, जो जीडीपी में 2.3%, औद्योगिक उत्पादन में 13% और निर्यात में 12% का योगदान देता है। खेती के बाद भारत में सबसे ज़्यादा रोज़गार देने वाला यह क्षेत्र 45 मिलियन लोगों को सीधे तौर पर और 100 मिलियन से ज़्यादा लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार देता है। इससे ग्रामीण समुदायों को मजबूती मिलती है और देश भर में लाखों महिलाओं के लिए आर्थिक आज़ादी का रास्ता खुलता है।

वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के एक साथ जुड़ी हुई व्यवस्था के उलट, भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला ऐतिहासिक रूप से अलग-अलग जगहों पर फैले हुए मॉडल के तौर पर विकसित हुई। कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग, कपड़े सिलने और निर्यात जैसी गतिविधियाँ अलग-अलग राज्यों में स्वतंत्र रूप से विकसित हुईं, जिसका अर्थ था कि एक कपड़ा बनने के दौरान अक्सर कई राज्यों की सीमाओं से गुज़रता था। इस बिखराव के कारण कई संरचनात्मक बाधाएँ पैदा हुईं। इसने बड़े पैमाने पर काम करने, आधुनिकीकरण, ऑटोमेशन और आखिरकार मज़दूरों की उत्पादकता को सीमित कर दिया। इसके साथ ही, मल्टी-मॉडल संपर्क में कमियों की वजह से लॉजिस्टिक्स का बोझ भी बढ़ जाता है। प्रोडक्शन के अलग-अलग चरणों के बीच हर बार सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने या संभालने में अतिरिक्त खर्च और ढुलाई का किराया लगता है। कई चरणों में लंबी दूरी तक सामान को एक जगह से दूसरी जगह भेजने से कुल लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ जाती है और सामान को तेज़ी से बाज़ार तक पहुँचाने की क्षमता खत्म हो जाती है, जो आज की रिटेल व्यवस्था में बार-बार ऑर्डर देने वाले साइकल में एक बहुत बड़ी और नुकसानदायक कमी है।

पबित्रा मार्गेरिटा
(लेखक केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री हैं। व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं।)

वर्तमान में पर्यावरण से जुड़ी ज़रूरतों पर भी ध्यान देने की ज़रुरत है। दुनिया भर में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वस्त्र उद्योग की हिस्सेदारी 8% से 10% और औद्योगिक जल प्रदूषण में 20% है। हज़ारों छोटी-छोटी और अलग-अलग जगहों पर फैली इकाइयों में नियमों को लागू करना और सही तरीके से प्रबंधन करना पहले एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती रहा है।

इन रुकावटों को व्यवस्थित रूप से दूर करने के लिए, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2021 में पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) योजना शुरू की, जिसके लिए ₹4,445 करोड़ का बजट रखा गया।

ई-जागृति : डिजिटल भारत में उपभोक्ता न्याय के लिए नई परिकल्पना

जालंधर ब्रीज : इतिहास अक्सर महान नेताओं को उनके राजनीतिक संघर्षों के जरिए याद करता है। लेकिन राजनेताओं के चिरस्मरणीय योगदान राजनीति के दायरे तक ही सीमित नहीं होते। उनकी वास्तविक विरासत उनके द्वारा सृजित संस्थाओं, परिपोषित विचारों और आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़े गए आदर्शों में होती है।

राष्ट्र भारत केसरी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 125वां जन्म दिवस मना रहा है। इस अवसर पर उनके सार्वजनिक जीवन के एक ऐसे पहलू को स्मरण करना प्रासंगिक होगा जिसकी ओर व्यापक रूप से गौर करने की जरूरत है। यह पहलू है, राष्ट्र निर्माण की बुनियाद के रूप में संस्थाओं का सृजन करने की उनकी आजीवन प्रतिबद्धता। स्वतंत्र भारत का उदय सिर्फ एक राजनीतिक संघर्ष से नहीं हुआ। उसे विश्वविद्यालय बनाने थे जो नागरिकों को शिक्षित करने में सक्षम हों। ऐसी अनुसंधान संस्थाएं खड़ी करनी थीं जो वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार कर सकें। उसे ऐसे उद्योग तैयार करने थे जो आर्थिक आत्मनिर्भरता पैदा कर सकें। सभ्यता की विरासत की रक्षा करने वाले सांस्कृतिक संगठनों और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने वाली लोक संस्थाओं को तैयार करना था। डॉ मुखर्जी ने जल्दी ही समझ लिया था कि राष्ट्र का भविष्य सिर्फ दूरद्रष्टा नेतृत्व पर ही निर्भर नहीं करता। यह उन मजबूत संस्थाओं पर भी निर्भर करता है जो नेताओं और सरकारों से ज्यादा टिकाऊ होंगी।

प्रल्हाद जोशी
(लेखक केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा तथा उपभोक्ता कार्य, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री हैं)

उनका असाधारण शैक्षिक कॅरियर उनके विश्वास को प्रतिबिंबित करता है। वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने। उन्होंने वैसे समय में यह कार्यभार संभाला जब उच्चतर शिक्षा भारत के बौद्धिक जागरण का केंद्र बन रही थी। उनके लिए विश्वविद्यालय सिर्फ स्नातक तैयार करने के स्थल नहीं थे। वे वैसे सुविज्ञ नागरिकों को गढ़ने वाले संस्थान थे जो सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी के साथ योगदान करने में सक्षम हों। उनकी राय थी कि शिक्षा को राष्ट्र निर्माण के वृहत्तर कार्य से अलग नहीं किया जा सकता।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रगति के प्रति उनका समर्पण विश्वविद्यालयों के परिसर से कहीं आगे बढ़कर था। भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु की कोर्ट और काउंसिल के सदस्य के तौर पर, उन्होंने भारत के प्रमुख वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों में से एक को मज़बूत बनाने में योगदान दिया।

1947 में, उन्होंने 'डिपार्टमेंट ऑफ़ पावर इंजीनियरिंग' की आधारशिला रखी क्योंकि वे भली-भांति समझते थे कि स्वतंत्र भारत की आर्थिक प्रगति के लिए इंजीनियरिंग की शिक्षा और प्रौद्योगिकी क्षमता बहुत ज़रूरी होगी। नवाचार को मुख्य नीतिगत लक्ष्य बनाए जाने से बहुत पहले ही, उन्होंने यह समझ लिया था कि वैज्ञानिक उत्कृष्टता और औद्योगिक विकास ही देश की दीर्घकालिक मज़बूती तय करेंगे।

स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन – विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की प्रगति का व्यावहारिक रास्ता

• **जालंधर ब्रीज .** नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, ऊर्जा की बढ़ती मांग और जलवायु से जुड़ी गंभीर चुनौतियों के इस दौर में, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसी ऊर्जा प्रणालियों का निर्माण करने की जरूरत है जो स्वच्छ व अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित, सस्ती एवं भरोसेमंद होने के साथ-साथ विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की विकास संबंधी जरूरतों तथा आर्थिक आकांक्षाओं के अनुरूप भी हों।

स्वच्छ ऊर्जा दरअसल ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक विकास और दीर्घकालिक विकास की दृष्टि से तेजी से अहम होती जा रही है। यह ईंधन बाजार में आने वाले उतार-चढ़ाव से पैदा होने वाले जोखिमों को कम कर सकती है, ऊर्जा को अपेक्षाकृत अधिक सुलभ बना सकती है, रोजगार सृजित कर सकती है, घरेलू उद्योगों को मजबूत कर सकती है और देश को अपेक्षाकृत अधिक सुदृढ़ बना सकती है। फिर भी, स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने के रास्ते एक जैसे नहीं हो सकते। इन रास्तों को राष्ट्रीय परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों और विकास की प्राथमिकताओं के हिसाब से निर्धारित किया जाना चाहिए।

इसी बिंदु पर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच आपसी सहयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच बेहतर सहयोग से स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और समावेशी विकास के साझा लक्ष्यों को भी आगे बढ़ाया जा सकता है। भारत का अपना अनुभव यह बताता है कि स्वच्छ ऊर्जा की शुरुआत लोगों से ही होनी चाहिए।

पिछले दशक में, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत लगभग 28.6 मिलियन घरों को बिजली के कनेक्शन दिए गए। इससे सभी तक बिजली पहुंचाने का काम आगे बढ़ा और ग्रामीण व कम सुविधा वाले इलाकों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत महिलाओं को 105 मिलियन से अधिक एलपीजी कनेक्शन दिए गए। इससे खाना पकाने के साफ-सुथरे तरीकों को बढ़ावा मिला, घर में सेहत बेहतर हुई और कठिन श्रम का बोझ कम हुआ।

ये पहल एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करती हैं: स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने को केवल स्थापित मेगावाट या जोड़ी गई क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता, बल्कि इससे पैदा हुए अवसरों, सुदृढ़ हुई आजीविका और बेहतर हुए जीवन स्तर के आधार पर भी मापा जाना चाहिए।

लोगों को प्राथमिकता देने वाले इस दृष्टिकोण के साथ-साथ बड़े पैमाने पर काम और सहयोगी बुनियादी ढांचे की भी जरूरत है। भारत की स्वच्छ ऊर्जा की कहानी में नवीकरणीय ऊर्जा अहम हो गई है। लेकिन इसकी सफलता इसे समर्थन प्रदान करने वाली प्रणालियों पर निर्भर करती है। सौर और पवन ऊर्जा को तेजी से अपनाया जा सकता है, लेकिन इनकी पूरी क्षमता का लाभ तभी मिल पाएगा जब पारेषण (ट्रांसमिशन), वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन), भंडारण (स्टोरेज) और ग्रिड प्रबंधन एकसाथ मिलकर काम करें।

श्रीपाद नाइक
(लेखक विद्युत राज्यमंत्री हैं)

भारत ने स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। पारेषण संबंधी बुनियादी ढांचे (ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर) का निरंतर विस्तार हुआ है। इसके साथ-साथ ऊर्जा के भंडारण (एनर्जी स्टोरेज) और ग्रिड की सुदृढ़ता (ग्रिड फ्लेक्सिबिलिटी) के क्षेत्र में भी निवेश बढ़ा है। वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन) संबंधी सुधारों और उन्नत ग्रिड तकनीक को अपनाने से एक ऐसी बेहतर एवं भरोसेमंद ऊर्जा प्रणाली बनाने में मदद मिली है, जो नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी को समन्वित करने में सक्षम है।

भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता अब 288 गीगावॉट से अधिक हो गई है। बड़े पैमाने की परियोजनाओं के अलावा, वितरित नवीकरणीय ऊर्जा (डीआरई) प्रणालियां - जैसे कि रूफटॉप सोलर, सोलर पंप, मिनी-ग्रिड और माइक्रो-ग्रिड - ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में स्वच्छ ऊर्जा को और अधिक सुलभ बना रही हैं। ये प्रणालियां सिंचाई, कोल्ड स्टोरेज, स्कूलों, हेल्थकेयर सेंटरों तथा स्थानीय व्यवसायों को मदद पहुंचाने के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका और स्थानीय आर्थिक सुदृढ़ता को भी बढ़ावा दे रही हैं।

भारत की 'पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' बड़े पैमाने पर इस दृष्टिकोण को दर्शाती है। इस योजना से अब तक लगभग 4 मिलियन परिवारों को लाभ हुआ है, जिससे उपभोक्ता अपेक्षाकृत अधिक विकेन्द्रीकृत एवं भागीदारी वाली ऊर्जा प्रणाली में योगदान देने वाले बन पाए हैं।

हालांकि, स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में वित्त पोषण सबसे अहम तत्वों में से एक बना रहेगा। कई विकासशील देशों में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इन संभावनाओं को बड़े पैमाने पर लागू करने तथा बैंक से ऋण पाने योग्य परियोजनाओं में बदलने हेतु सस्ती और दीर्घकालिक पूंजी की जरूरत होती है। आने वाले वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा, वितरण संबंधी बुनियादी ढांचा, ग्रिड के आधुनिकीकरण, भंडारण प्रणाली और कम ऊर्जा खर्च करने वाली तकनीकों में निवेश बेहद जरूरी होगा। न्यू डेवलपमेंट बैंक जैसे संस्थान वित्त पोषण, तकनीक संबंधी साझेदारी और क्षमता विकास के जरिए विकासशील देशों की मदद करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी तकनीकों के लिए सुदृढ़ एवं विविधतापूर्ण आपूर्ति श्रृंखला बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सुरक्षित, सस्ती और भरोसेमंद ऊर्जा प्रणालियां सुनिश्चित करने हेतु मैन्यूफैक्चरिंग, तकनीक, नवाचार और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना जरूरी होगा। अब जबकि ब्रिक्स की भारत की अध्यक्षता आगे बढ़ रही है, सहयोग की एक ऐसी भविष्योन्मुखी रूपरेखा को मजबूत करने का अवसर है जो सामर्थ्य, बड़े पैमाने पर काम करने की क्षमता, विश्वसनीयता, तकनीक की सुलभता, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला और सतत विकास का समर्थन करे।

चुनौती सिर्फ स्वच्छ ऊर्जा की क्षमता को बढ़ाने की ही नहीं, बल्कि ऐसे ऊर्जा प्रणाली के निर्माण की भी है जो सबके लिए सुलभ, किफायती एवं भरोसेमंद होने के साथ-साथ दीर्घकालिक आर्थिक विकास और मानव विकास को कायम रखने में सक्षम हों।

एस.एस.पी. जालंधर देहाती ने जिला स्तरीय स्पैशल नाकाबंदी और नाइट डोमिनेशन ऑपरेशन का लिया जायजा

आम लोगों की सुरक्षा और अमन-कानून व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए निगरानी, चेकिंग और गश्त को और सख्त किया

• **जालंधर ब्रीज** . जालंधर

जालंधर देहाती के एसएसपी हरविंदर सिंह विर्क पीपीएस के निर्देशों और पुलिस कप्तान (तफ्तीश) विनीत अहलावत आईपीएस, पुलिस कप्तान (स्थानीय) मुकेश कुमार पीपीएस तथा पुलिस कप्तान (पीबीआई) मनजीत कौर पीपीएस की निगरानी में जालंधर देहाती पुलिस द्वारा सिटी सर्विलांस प्लान के तहत जिला स्तर पर स्पैशल नाकाबंदी और नाइट डोमिनेशन ऑपरेशन चलाया गया। इस ऑपरेशन का उद्देश्य सुरक्षा प्रबंधों को और मजबूत करना, आपराधिक गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखना और जिले में अमन-कानून की व्यवस्था को प्रभावशाली ढंग से बनाए रखना था।

ऑपरेशन के दौरान संबंधित थाना प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमों द्वारा जिले के विभिन्न रणनीतिक स्थानों, मुख्य सड़कों, संवेदनशील इलाकों और आने-जाने वाले रास्तों पर विशेष नाके लगाए गए। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की बारीकी से चेकिंग की गई तथा किसी भी प्रकार की गैर-कानूनी गतिविधि को रोकने के लिए गश्त को और तेज किया गया।

हरविंदर सिंह विर्क, पी.पी.एस., सीनियर पुलिस कप्तान, जालंधर देहाती ने विनीत अहलावत, आई.पी.एस., पुलिस कप्तान (तफ्तीश), मुकेश कुमार, पी.पी.एस., पुलिस कप्तान (हेडक्वार्टर) और मनजीत कौर, पी.पी.एस., पुलिस कप्तान (पी.बी.आई.) सहित विभिन्न नाकों और चेकिंग पॉइंट्स का खुद दौरा करके सुरक्षा प्रबंधों और चल रहे ऑपरेशन का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मचारियों से बातचीत करते हुए उन्हें हर समय चौकस रहने, संदिग्ध व्यक्तियों और

वाहनों की गहराई से जांच करने, सुरक्षा संबंधी हिदायतों का सख्ती से पालन करने तथा आम लोगों के साथ नम्रता और पेशेवराना तरीके से पेश आने के निर्देश दिए। रात के समय सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए जिले भर में नाइट डोमिनेशन ऑपरेशन को भी और तेज किया गया। पुलिस टीमों द्वारा संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्त और निगरानी की गई ताकि अपराधों को रोका जा सके, समाज-विरोधी तत्वों पर नकेल कसी जा सके, लोगों में सुरक्षा की भावना को मजबूत किया जा सके और जिले में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखा जा सके।

एस.एस.पी. जालंधर देहाती ने आगे बताया कि पुलिसिंग को और प्रभावशाली बनाने तथा आम लोगों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विभागों और संबंधित पक्षों के साथ नियमित रूप से तालमेल बैठकें की जा रही हैं। ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से ट्रैफिक प्रबंधों को और सुचारू बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और स्पेशल डी.जी.पी. ट्रैफिक द्वारा जारी हिदायतों को सभी सब-डिवीजन में संबंधित डी.एस.पी. और एस.एच.ओ. की निगरानी में सख्ती से लागू किया जा रहा है।

जालंधर देहाती पुलिस की लोगों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराते हुए हरविंदर सिंह विर्क, पी.पी.एस., सीनियर पुलिस कप्तान, जालंधर देहाती ने कहा कि जिला पुलिस हर तरह की स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और आम लोगों को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और भय-मुक्त माहौल प्रदान करने के लिए स्पेशल नाकाबंदी, नाइट डोमिनेशन और विशेष चेकिंग मुहिमें नियमित तौर से जारी रहेंगी।

ट्रैफिक पुलिस करेगी 300+ वाहनों की नीलामी, 20 जुलाई आखिरी तारीख

• **जालंधर ब्रीज** . जालंधर

ट्रैफिक पुलिस कमिश्नरेट जालंधर ने वर्ष 2013 से 2025 के दौरान मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत जब्त किए गए 300 से अधिक वाहनों के संबंध में सार्वजनिक सूचना जारी की है। पुलिस के अनुसार ये वाहन लंबे समय से ट्रैफिक पुलिस, पुलिस लाइन कमिश्नरेट जालंधर के वाहन यार्ड में खड़े हैं।

ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि संबंधित वाहन मालिकों को अपने वाहन रिलीज़ करवाने के लिए 17 मई, 29 मई, 17 जून और 26 जून 2026 को विभिन्न समाचार पत्रों में सार्वजनिक नोटिस जारी किए गए थे। इसके बावजूद बड़ी संख्या में वाहन मालिक अब तक अपने वाहन लेने नहीं पहुंचे।

इसके चलते ट्रैफिक पुलिस ने इन वाहनों की नीलामी की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है और माननीय न्यायालय से आवश्यक आदेश प्राप्त किए जा रहे हैं। पुलिस ने सभी वाहन मालिकों को अंतिम अवसर देते हुए कहा है कि यदि वे अपना वाहन वापस लेना चाहते हैं, तो इस सूचना के जारी होने के सात दिनों के भीतर ट्रैफिक पुलिस कमिश्नरेट जालंधर की खिड़की नंबर-5, चालान शाखा में पहुंचकर अपना वाहन रिलीज़ करवा सकते हैं।

ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर वाहन रिलीज़ नहीं करवाए गए, तो 20 जुलाई 2026 को सभी जब्त वाहनों की खुली बोली के माध्यम से नीलामी कर दी जाएगी। नीलामी के बाद संबंधित वाहन पर किसी भी प्रकार का दावा या अपील स्वीकार नहीं की जाएगी।

ट्रैफिक पुलिस द्वारा जारी सूची में एक्टिवा, मोटरसाइकिल, स्कूटर, ऑटो रिक्शा, कार तथा अन्य कई प्रकार के वाहन शामिल हैं।

3 अगस्त से शुरू होगा मुफ्त डेयरी प्रशिक्षण

जालंधर ब्रीज (जालंधर) . डेयरी विकास विभाग द्वारा अनुसूचित जाति से संबंधित लाभार्थियों के लिए दो हफ्तों के मुफ्त डेयरी प्रशिक्षण कोर्स का पहला बैच 3 अगस्त 2026 से शुरू किया जा रहा है।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए डिप्टी डायरेक्टर डेयरी कश्मीर सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा यह कोर्स डेयरी ट्रेनिंग सेंटर, फगवाड़ा में चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि डेयरी प्रशिक्षण कोर्स के दौरान दुधारू पशुओं की खरीद से लेकर पशु चारा, नस्ल सुधार, देखभाल-संभाल और उचित विपणन की नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी के अलावा शिक्षार्थियों को विभागीय साहित्य मुफ्त दिया जाएगा।

डिप्टी डायरेक्टर डेयरी ने बताया कि शिक्षार्थियों का चयन जिला स्तर पर विभागीय समितियों द्वारा किया जाएगा।

सफाई सेवकों के अधिकारों की रक्षा को आयोग प्रतिबद्ध : चंदन ग्रेवाल

जालंधर ब्रीज (जालंधर) . पंजाब राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष चंदन ग्रेवाल ने आज स्थानीय शहीद बाबू लाल सिंह सिविल अस्पताल का दौरा किया और सफाई सेवकों की मांगों तथा समस्याओं को सुना। उन्होंने कहा कि पंजाब राज्य सफाई कर्मचारी आयोग सफाई सेवकों के अधिकारों की रक्षा, उनके कल्याण और उनकी जायज मांगों के निपटारे के लिए लगातार प्रयासशील है।

सिविल सर्जन डा. राजेश गर्ग और मैडिकल सुपरिटेंडेंट डा. नमिता घई सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान उन्होंने सफाई सेवकों के मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सफाई सेवक स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है और अस्पतालों में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अध्यक्ष ने अस्पताल में बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों से कहा कि वे सक्षम प्राधिकारी से आवश्यक अनुमति प्राप्त करके अतिरिक्त सफाई सेवकों की भर्ती के लिए उचित कार्रवाई करें। इससे सफाई प्रबंधन और अधिक प्रभावी होगा।

इसके अलावा उन्होंने सफाई सेवकों को अतिरिक्त समय के दौरान किए गए काम के एवज में नियमों के अनुसार बनने वाली छुट्टी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए भी निर्देश दिए।

11-12 जुलाई को सभी पोलिंग बूथों पर एसआईआर कैंप

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . पंजाब भर में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) के तहत घर-घर जाकर गणना फॉर्म भरने की कार्रवाई प्रगति के तहत है और यह कार्य 24 जुलाई तक जारी रहेगा।

इस प्रक्रिया को और अधिक सुचारू बनाने के लिए 11 जुलाई (शनिवार) और 12 जुलाई (रविवार), 2026 को सुबह 08:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक प्रदेश भर के सभी पोलिंग बूथों पर दो दिवसीय विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिससे मतदाता अपने गणना फॉर्म भर सकते हैं और जमा करवा सकते हैं। प्रदेश के मतदाताओं को इन शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील करते हुए मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) पंजाब, अनिंदिता मित्रा, आई.ए.एस. ने कहा कि, "यदि आपने अभी तक अपना गणना फॉर्म नहीं भरा है, तो तुरंत अपने बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) से संपर्क करें या इस विशेष शिविर के दौरान अपने निकटतम पोलिंग बूथ पर जाएँ।

सुल्तानपुर लोधी स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के कार्य में तेजी लाई जाए : डीसी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

जालंधर ब्रीज (कपूरथला) . डिप्टी कमिश्नर आकाश बांसल ने अधिकारियों को सुल्तानपुर लोधी में चल रही सभी स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन प्रोजेक्ट को निर्धारित समय के भीतर पूरा करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य किया जाए।

जिला प्रशासनिक कॉम्प्लेक्स में समीक्षा मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने स्मार्ट सिटी योजना के तहत चल रही विभिन्न बुनियादी ढांचा एवं विकास प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, पंजाब एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी, नगर परिषद, सिंचाई विभाग तथा पंजाब वाटर सप्लाई एवं सीवरेज बोर्ड के अधिकारियों को आपसी तालमेल बनाए रखने तथा सभी लंबित कार्य पूरे होने तक प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि इन प्रोजेक्टों का मुख्य उद्देश्य शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, सार्वजनिक सुविधाओं में सुधार करना तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी

कार्यकारी एजेंसियों को गुणवत्ता मानकों का सख्ती से पालन करने तथा बिना किसी समझौते के निर्धारित समय के भीतर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही ड्रेनेज विभाग को मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से बचाव के लिए समय पर नालों की सफाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। डिप्टी कमिश्नर ने अधिकारियों को कार्य की गति को प्रभावित करने वाले किसी भी अंतर-विभागीय मुद्दे अथवा बाधा का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी या लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, 11 स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट पहले ही पूरी की जा चुकी हैं, जबकि 9 प्रोजेक्टों पर वर्तमान में कार्य जारी है और 2 प्रोजेक्ट टेंडरिंग प्रक्रिया के चरण में हैं।

30 सितंबर तक मतदाता सेवाओं पर शुल्क माफ

जालंधर ब्रीज (कपूरथला) . भारत चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सुगम बनाने के लिए पंजाब सरकार ने 30 सितंबर, 2026 तक कई महत्वपूर्ण नागरिक सेवाओं पर सरकारी शुल्क एवं सुविधा शुल्क माफ कर दिए हैं, ताकि नागरिक आवश्यक दस्तावेज बिना किसी खर्च के प्राप्त कर सकें। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान किसी भी योग्य मतदाता को आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई न आए, इसे ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इस पहल से नागरिकों को बिना किसी आर्थिक बोझ या प्रक्रियागत परेशानी के आवश्यक दस्तावेजी औपचारिकताएं पूरी करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने जनता से चुनाव प्रक्रिया से संबंधित किसी भी जानकारी या सहायता के लिए टोल-फ्री मतदाता हेल्पलाइन 1950 अथवा जिला प्रशासन की हेल्पलाइन 01822-233777 पर संपर्क करने की भी अपील की।

धुस्सी बांध मजबूत करने को पंजाब सरकार प्रतिबद्ध : गोयल

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़/लुधियाना) . पंजाब के जल संसाधन तथा खनन एवं भू-विज्ञान मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने लुधियाना के ससराली

कॉलोनी गांव के नज़दीक सतलुज दरिया के धुस्सी बांध पर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर तथा उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं ताकि लोगों के जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

गोयल ने बताया कि ससराली कॉलोनी गांव में लगभग 3300 फुट लंबा बांध क्षतिग्रस्त हो गया था जिसकी पुनर्निर्माण परियोजना प्रगति पर है। इस कार्य पर लगभग 11.75 करोड़ रुपये की लागत आ रही है। उन्होंने बताया कि इस पुनर्निर्माण कार्य की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि दरिया किनारे के कटाव को रोकने के लिए बांध के नदी की ओर वाले अंदरूनी हिस्से में पी.पी.एम.एफ. (पॉलीप्रोपाइलीन मल्टीफिलामेंट) जियोट्यूब लगाए जा रहे हैं। इस परियोजना के तहत कुल लगभग 450 जियोट्यूब लगाए जाने हैं जिनमें से करीब 325 जियोट्यूब पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं और शेष कार्य जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

एचबीसीएचआरसी ने 100 मुफ्त रोबोटिक कैंसर ऑपरेशन पूरे किए

जालंधर ब्रीज (न्यू चंडीगढ़). होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी), पंजाब ने मरीजों को बिना किसी अतिरिक्त लागत के महज छह महीनों में 100 से अधिक जटिल रोबोटिक सर्जरियां सफलतापूर्वक पूरी कर ली हैं। एचबीसीएचआरसी भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत टाटा मेमोरियल सेंटर की एक इकाई है। यह मील का पत्थर हासिल करने वाला केंद्र सरकार का यह अस्पताल पंजाब के न्यू चंडीगढ़ में स्थित है। रोबोटिक सर्जरी सुविधा की योजना की घोषणा पिछले साल अगस्त में होमी भाभा कैंसर कॉन्क्लेव के दौरान पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया द्वारा की गई थी। इस

उपलब्धि को साझा करते हुए एचबीसीएचआरसी के निदेशक डॉ. आशीष गुलिया ने कहा कि रोबोटिक सर्जरी पूरे उत्तर भारत में केवल सीमित अस्पतालों में ही उपलब्ध है।

डॉ. गुलिया ने कहा, "शुरुआत के समय, हमने पहले 80 मरीजों को मुफ्त में रोबोटिक सर्जरी प्रदान करने का वादा किया था। हमें यह साझा करते हुए गर्व हो रहा है कि हमने न केवल छह महीने से भी कम समय में 100 सफल रोबोटिक सर्जरियां पूरी कीं, बल्कि सभी 100 मरीजों को बिना किसी अतिरिक्त खर्च के यह इलाज मिला।"

माय भारत समिति ने युवा सहभागिता पर की समीक्षा

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . माय भारत, चंडीगढ़ की जिला सलाहकार समिति की बैठक उपमंडल मजिस्ट्रेट (दक्षिण), चंडीगढ़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उन्होंने उपायुक्त, चंडीगढ़ के नामित प्रतिनिधि के रूप में बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में चंडीगढ़ में माय भारत की विभिन्न पहलों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से युवाओं की सहभागिता को और अधिक सुदृढ़ करने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न सरकारी विभागों एवं शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सभी शैक्षणिक संस्थानों को अपने विद्यार्थियों का पंजीकरण माय भारत पोर्टल पर सुनिश्चित

करने के लिए निर्देशित किया जाएगा। साथ ही, प्रत्येक संस्थान से एक नोडल अधिकारी तथा कैंपस एम्बेसडर नियुक्त करने का अनुरोध किया जाएगा, ताकि युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके, स्वयंसेवा को बढ़ावा मिले तथा संस्थागत स्तर पर माय भारत की गतिविधियों का क्रियान्वयन हो सके।

समिति ने इस पर विशेष बल दिया कि राष्ट्र निर्माण से संबंधित पहलों तथा माय भारत मंच के माध्यम से उपलब्ध अनुभवात्मक अधिगम के अवसरों में युवाओं की अधिकतम भागीदारी के लिए समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

जवाहर नवोदय फलाही में कक्षा 6 के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

जालंधर ब्रीज (होशियारपुर) . डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने बताया कि सह-शैक्षिक आवासीय पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, फलाही में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 6 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 5 में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थी 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी के माता-पिता जिला होशियारपुर के स्थायी निवासी होने चाहिए। विद्यार्थी ने कक्षा 3 एवं 4 की पढ़ाई नियमित रूप से पूरी की हो तथा वर्तमान में कक्षा 5 में अध्ययनरत हो। अभ्यर्थी की जन्मतिथि 1 मई 2015 से 31 जुलाई 2017 (दोनों तिथियां सहित) के बीच होनी चाहिए।

डीसी ने बताया कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अभ्यर्थी आवेदन से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि उनका नाम पंजाब की केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल है। यदि नाम केंद्रीय सूची में नहीं है तो उन्हें अनारक्षित (यूआर) श्रेणी के अंतर्गत आवेदन करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रवेश के लिए चयन परीक्षा 28 नवंबर 2026 को जिला होशियारपुर के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। अभिभावकों एवं अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पहले प्रॉस्पेक्टस में दी गई सभी शर्तों को ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए।

100% डिजिटलीकरण पूरा करने वाले पांच बी.एल.ओ. सम्मानित

जालंधर ब्रीज (कपूरथला) . डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला चुनाव अधिकारी अकाश बांसल ने आज मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत निर्धारित अंतिम तिथि 24 जुलाई से पहले गणना फ़ार्म का 100 प्रतिशत डिजिटलीकरण पूरा करने वाले पांच बूथ लेवल अधिकारियों (बी.एल.ओ.) को सम्मानित किया।

डिप्टी कमिश्नर ने मनजीत सिंह (बूथ नंबर 17), गुरदयाल सिंह (बूथ नंबर 104), अरुणदीप सिंह (बूथ नंबर 138), यादविंदर सिंह (बूथ नंबर 140) और विश्व दीपक कालिया (बूथ नंबर 161) को डिजिटलीकरण की प्रक्रिया समय पर पूरी करने में उत्कृष्ट कार्य और समर्पण के लिए सम्मानित किया। बी.एल.ओ. को बधाई देते हुए डिप्टी कमिश्नर अकाश बांसल ने कहा कि उनकी प्रतिबद्धता और

कार्यकुशलता ने जिले के अन्य बूथ लेवल अधिकारियों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उन्होंने अन्य बी.एल.ओ. से शेष गणना फ़ार्म के डिजिटलीकरण के कार्य में तेजी लाने की अपील की, ताकि जिला निर्धारित समय सीमा से पहले 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर सके। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावों के लिए मतदाता सूचियों का शुद्ध एवं समयबद्ध तैयार होना अत्यंत आवश्यक है। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए 791 बूथ लेवल अधिकारियों की तैनाती की गई है।

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में 'दादा' की एंट्री

गांगुली को आईसीसी का सर्वोच्च सम्मान; सचिन-युवराज सहित कई दिग्गजों ने दी बधाई

स्पोर्ट्स डेस्क . आईसीसी हॉल ऑफ़ फ़ेम में शामिल होने के बाद भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को बधाईयाँ मिल रही हैं। भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक गांगुली को बधाई देने वालों में महान बल्लेबाज़ सचिन तेंदुलकर और वर्ल्ड कप विजेता ऑल-राउंडर युवराज सिंह सबसे आगे रहे। गांगुली को उनके 54वें जन्मदिन पर आईसीसी हॉल ऑफ़ फ़ेम में शामिल किया गया। वे यह प्रतिष्ठित सम्मान पाने वाले कुल मिलाकर 12वें भारतीय और 10वें भारतीय पुरुष क्रिकेटर बने।

'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर करते हुए, तेंदुलकर ने - जो गांगुली के लंबे समय तक ओपनिंग पार्टनर रहे और भारतीय क्रिकेट की सबसे बेहतरीन बैटिंग जोड़ियों में से एक का हिस्सा थे - लिखा कि 14 साल की उम्र से एक-दूसरे को जानने के बाद अब कोई खास हैरानी वाली बात नहीं बची है। यह भी उनमें से एक नहीं थी। बधाई हो सौरव गांगुली। आपको आईसीसी हॉल ऑफ़ फ़ेम में देखकर बहुत खुशी हुई! इस दिल को छू लेने वाले मैसेज का जवाब देते

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को 54वें जन्मदिन पर आईसीसी हॉल ऑफ़ फ़ेम में शामिल किया गया। इस उपलब्धि पर सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह समेत कई दिग्गजों ने उन्हें बधाई दी।

हुए गांगुली ने लिखा कि धन्यवाद चैंपियन। आपके साथ एक ही लिस्ट में शामिल होना सबसे बड़ी जॉब सैटिस्फैक्शन (काम से मिलने वाली संतुष्टि) है।

भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह - जो उन कई खिलाड़ियों में से एक हैं जिनका इंटरनेशनल करियर गांगुली की कप्तानी में आगे बढ़ा - ने भी अपने पूर्व कप्तान को बधाई दी। युवराज ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि दादा, आईसीसी हॉल ऑफ़ फ़ेम में शामिल होने पर आपको बधाई। आप इसके पूरी तरह से हकदार हैं! आपने सिर्फ़ एक टीम ही नहीं बनाई, बल्कि क्रिकेटरों की एक पीढ़ी में भरोसा भी जगाया। आपकी कप्तानी में खेलने और जीवन भर याद रहने वाली यादें बनाने के लिए मैं आभारी हूँ। एक बार फिर बधाई!

बुधवार को इस सम्मान की पुष्टि होने के तुरंत बाद गांगुली ने आईसीसी और आईसीसी चेयरमैन जय शाह का आभार व्यक्त किया था। आईसीसी हॉल ऑफ़ फ़ेम की शुरुआत 2009 में संस्था की 100वीं सालगिरह के जश्न के दौरान हुई थी। यह उन खिलाड़ियों को सम्मान देता है जिन्होंने खेल में असाधारण योगदान दिया है। क्रिकेटर अपने आखिरी इंटरनेशनल मैच के पांच साल बाद इसमें शामिल होने के योग्य हो जाते हैं। गांगुली का इंटरनेशनल करियर 424 मैचों का रहा, जिसमें उन्होंने 18,575 रन बनाए। इसमें 38 शतक और 107 अर्धशतक शामिल हैं। शानदार स्ट्रोक-प्ले के कारण उन्हें गॉड ऑफ़ ऑफ़साइड माना जाता है। उन्होंने 113 टेस्ट मैचों में 7,212 रन और 311 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 11,363 रन बनाए। कप्तान के तौर पर, गांगुली ने भारतीय क्रिकेट को उसके सबसे मुश्किल दौर में बदला। उन्होंने 196 इंटरनेशनल मैचों में भारत की कप्तानी की और 97 जीत हासिल कीं।

आखिर किसके इशारे पर देशविरोधी ताकतों के हौसले बुलंद हो रहे हैं?

जालंधर ब्रीज (जालंधर) . भारतीय जनता पार्टी जालंधर के महामंत्री अशोक सरीन हिक्की ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज पंजाब में लगभग हर दिन ग्रेनेड हमलों, गैंगस्टर वारदातों, फिरौती, नशा तस्करी और कानून-व्यवस्था के बिगड़ते हालात ने आम लोगों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार आतंकवाद, अलगाववादी सोच, नशा तस्करों और संगठित अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में पूरी तरह विफल रही है।

अशोक सरीन हिक्की ने मोगा में केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को घटना स्थल पर जाने से रोकने की कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता के प्रतिनिधियों को पीड़ितों से मिलने से रोकना सरकार की घबराहट और विफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है तो विपक्ष और जनप्रतिनिधियों को घटनास्थल पर जाने से क्यों रोका जा रहा है? उन्होंने कहा कि पिछले दिनों पंजाब में पुलिस अधिकारियों की हत्या जैसी गंभीर घटनाओं ने पूरे राज्य को झकझोर दिया, लेकिन सरकार अब तक अपराधियों को पकड़ने और कानून का राज स्थापित करने में अपेक्षित सफलता नहीं दिखा सकी है। हिक्की ने पंजाब सरकार से मांग की कि ग्रेनेड हमलों, गैंगस्टर नेटवर्क, नशा तस्करी, फिरौती और देशविरोधी गतिविधियों पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए, पुलिस को पूरी स्वतंत्रता और संसाधन दिए जाएं।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.